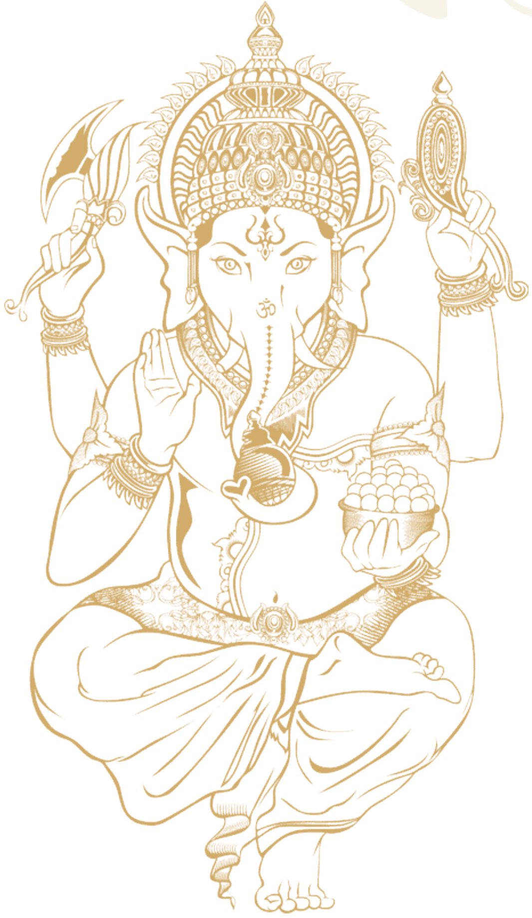

Shaktisharan Mishra

07 Jun 1985

04:56 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb Order No: 120960405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/06/1985**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:56:00 घंटे**
इष्ट	29:52:36 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:03:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:15 घंटे
साम्पातिक काल	10:06:58 घंटे
सूर्योदय	04:58:57 घंटे
सूर्यास्त	18:43:21 घंटे
दिनमान	13:44:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:00:05 वृष
लग्न के अंश	00:40:06 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:40:06	310:26:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			वृष	23:00:05	00:57:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:29:37	13:10:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	05:02:08	00:40:06	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
बुध		अ	वृष	22:51:35	02:12:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मक	23:18:13	00:00:29	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र			मेष	07:21:28	00:54:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		तुला	29:33:10	00:03:55	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
राहु	व		मेष	24:13:04	00:03:26	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:13:04	00:03:26	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	22:18:42	00:02:28	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
नेप	व		धनु	09:01:24	00:01:32	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	08:36:03	00:01:05	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	05:58:53	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:00

लग्न-चलित

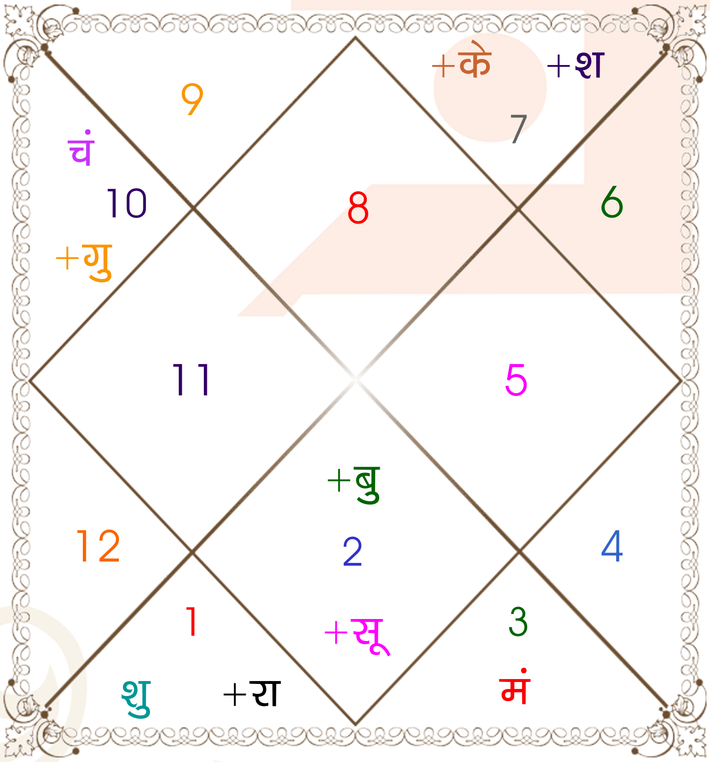

चन्द्र कुंडली

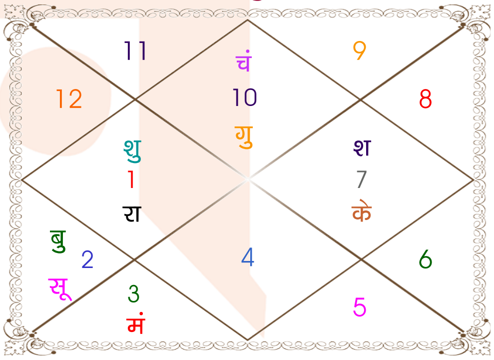

नवमांश कुंडली

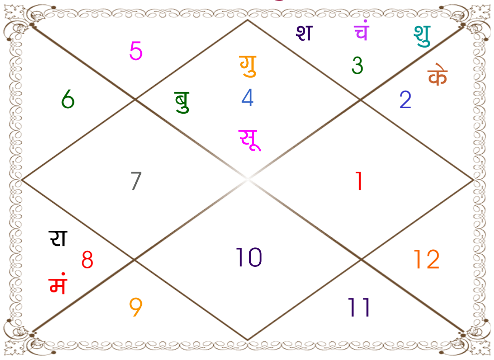

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 16 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/06/1985		24/04/1988		25/04/1995		24/04/2013		24/04/2029	
24/04/1988		25/04/1995		24/04/2013		24/04/2029		24/04/2048	
	00/00/0000	मंगल	20/09/1988	राहु	05/01/1998	गुरु	13/06/2015	शनि	27/04/2032
	00/00/0000	राहु	09/10/1989	गुरु	31/05/2000	शनि	24/12/2017	बुध	05/01/2035
	00/00/0000	गुरु	15/09/1990	शनि	07/04/2003	बुध	31/03/2020	केतु	14/02/2036
	00/00/0000	शनि	24/10/1991	बुध	24/10/2005	केतु	07/03/2021	शुक्र	16/04/2039
	07/06/1985	बुध	21/10/1992	केतु	11/11/2006	शुक्र	06/11/2023	सूर्य	28/03/2040
बुध	25/07/1985	केतु	19/03/1993	शुक्र	11/11/2009	सूर्य	24/08/2024	चंद्र	27/10/2041
केतु	23/02/1986	शुक्र	19/05/1994	सूर्य	06/10/2010	चंद्र	24/12/2025	मंगल	06/12/2042
शुक्र	24/10/1987	सूर्य	24/09/1994	चंद्र	06/04/2012	मंगल	30/11/2026	राहु	12/10/2045
सूर्य	24/04/1988	चंद्र	25/04/1995	मंगल	24/04/2013	राहु	24/04/2029	गुरु	24/04/2048

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/04/2048		24/04/2065		24/04/2072		24/04/2092		25/04/2098	
24/04/2065		24/04/2072		24/04/2092		25/04/2098		00/00/0000	
बुध	21/09/2050	केतु	20/09/2065	शुक्र	25/08/2075	सूर्य	12/08/2092	चंद्र	23/02/2099
केतु	18/09/2051	शुक्र	21/11/2066	सूर्य	24/08/2076	चंद्र	10/02/2093	मंगल	24/09/2099
शुक्र	19/07/2054	सूर्य	28/03/2067	चंद्र	25/04/2078	मंगल	18/06/2093	राहु	26/03/2101
सूर्य	25/05/2055	चंद्र	27/10/2067	मंगल	25/06/2079	राहु	13/05/2094	गुरु	26/07/2102
चंद्र	24/10/2056	मंगल	25/03/2068	राहु	24/06/2082	गुरु	01/03/2095	शनि	24/02/2104
मंगल	21/10/2057	राहु	12/04/2069	गुरु	22/02/2085	शनि	11/02/2096	बुध	08/06/2105
राहु	09/05/2060	गुरु	19/03/2070	शनि	24/04/2088	बुध	17/12/2096		00/00/0000
गुरु	15/08/2062	शनि	28/04/2071	बुध	23/02/2091	केतु	24/04/2097		00/00/0000
शनि	24/04/2065	बुध	24/04/2072	केतु	24/04/2092	शुक्र	25/04/2098		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 10 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।